



अभिव्यक्ति

राजभाषा विभाग,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
रायपुर मंडल
अंक : 20, मार्च - अप्रैल 2023

मार्गदर्शक
संजीव कुमार,
मंडल रेल प्रबंधक

मुख्य संपादक
लोकेश विश्नोई,
अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी

संपादक
निकेश कुमार पाण्डेय,
राजभाषा अधिकारी

उप संपादक
मनोज कुमार साहू
वरिष्ठ अनुवादक



संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन



राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 03 मार्च 2023 (शुक्रवार) को शहीद स्मारक भवन, रजबंधा मैदान, जी.ई. रोड, राज टांकीज के सामने, रायपुर (छ.ग.) में मध्य क्षेत्र एवं पश्चिम क्षेत्र के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अजय कुमार मिश्रा, माननीय केंद्रीय गृह राज्यमंत्री, भारत सरकार थे।



अन्य विशिष्ट अतिथियों में श्री संजीव कुमार, अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (केंद्रीय कार्यालय) एवं मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर, श्रीमती अंशुली आर्या, सचिव / राजभाषा, भारत सरकार, डॉ. मीनाक्षी जौली, संयुक्त सचिव/राजभाषा, भारत सरकार, श्री शैलेश वर्मा, अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक) मंच पर उपस्थित थे। सर्वप्रथम राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। स्वागत भाषण के पश्चात अतिथियों ने

राजभाषा हिंदी के संबंध में अपने विचार प्रकट किए।

इस अवसर पर माननीय केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज हिंदी की पूरे विश्व में अपनी विशेष पहचान है। हिंदी का निरंतर प्रसार हो रहा है। विश्व के अनेक देशों के विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा की पढ़ाई हो रही है तथा इसके लिए अनेक पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। हमारा साहित्य हमारी अमूल्य निधि है एवं हमारी महान संस्कृति का अमूल्य धरोहर है। हमें अपनी भाषा पर हीनता नहीं बल्कि गौरव की अनुभूति होनी चाहिए तभी हम पूरी क्षमता से हिंदी के प्रचार-प्रसार में अपना योगदान दे पाएंगे।



श्री संजीव कुमार, अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (केंद्रीय कार्यालय) एवं मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन रायपुर नगर के लिए सदैव स्मरणीय रहेगा क्योंकि आज गृह मंत्रालय द्वारा इस शहर में संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। भारत के मध्य एवं पश्चिमी क्षेत्रों के विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के



विभिन्न कार्यालयों को एक मंच पर लाकर राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार के लिए जो श्रम किया गया है, वह निश्चित ही सराहनीय है और इसके लिए राजभाषा विभाग बधाई के पात्र हैं। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (केंद्रीय कार्यालय) रायपुर के अध्यक्ष होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगा कि राजभाषा हिंदी के नीति-नियमों एवं इसके लिए निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने हेतु रायपुर नगर समिति सतत प्रयत्नशील है।

इसके पश्चात मुख्य अतिथि श्री अजय कुमार मिश्रा, माननीय केंद्रीय गृह राज्यमंत्री, भारत सरकार द्वारा राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन हेतु वर्ष 2020-21 एवं वर्ष 2021-22 के लिए राजभाषा शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर विजेता कार्यालयों, उपक्रमों, निगमों एवं बैंकों तथा विभिन्न अधिकारियों / कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया। श्री हरीश चौहान, सहायक निदेशक एवं कार्यालयाध्यक्ष, क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), गृह मंत्रालय, भोपाल द्वारा श्री संजीव कुमार, अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं मंडल रेल प्रबंधक को स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।



रोजगार मेले का आयोजन

देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित रोजगार मेला के क्रम में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर में भी राष्ट्रीय रोजगार मेला का आयोजन किया गया। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित किया। इस मेला के दौरान विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त कर्मियों को लगभग 71,000 नियुक्ति पत्र वितरित किए। देश भर से चुने गए नवनियुक्त कर्मियों को भारत सरकार के अधीन ट्रेन मैनेजर, स्टेशन मास्टर, वरिष्ठ वाणिज्यिक लिपिक सह टिकट लिपिक, इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, कांस्टेबल, स्टेनोग्राफर, कनिष्ठ लेखापाल, डाक सहायक, इनकम टैक्स इंस्पेक्टर, टैक्स सहायक, सीनियर ड्राफ्ट्समैन, जूनियर इंजीनियर/सुपरवाइजर, सहायक प्रोफेसर, शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष, नर्स, परिवीक्षा अधिकारी, पीए, एमटीएस और अन्य जैसे पदों पर कार्य करने के लिए शामिल किया जाएगा। विभिन्न सरकारी विभागों में सभी नवनियुक्त कर्मियों के लिए एक ऑनलाइन उन्मुखीकरण पाठ्यक्रम 'कर्मयोगी प्रारंभ' के माध्यम से इन सभी नवनियुक्त कर्मियों को स्वयं को प्रशिक्षित करने का अवसर प्राप्त होगा।



सभा को संबोधित करते हुए माननीय प्रधानमंत्री ने वैशाखी के शुभ अवसर पर देश को बधाई दी। उन्होंने नियुक्ति पत्र मिलने पर अभ्यर्थियों व उनके परिजनों को शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार एक विकसित भारत के संकल्प की प्राप्ति के लिए युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा को सही अवसर प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एनडीए शासित राज्यों में, गुजरात से लेकर असम और उत्तर प्रदेश से लेकर महाराष्ट्र तक, सरकारी भर्ती की प्रक्रिया तेज गति से चल रही है। उन्होंने कहा कि कल ही मध्य प्रदेश में 22,000 से अधिक शिक्षकों को भर्ती पत्र सौंपे गए हैं। "यह रोजगार मेला देश के युवाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।"

यह देखते हुए कि भारत विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, प्रधानमंत्री ने कहा कि मंदी और महामारी की वैश्विक चुनौतियों के बीच दुनिया भारत को एक बेहतर स्थान एवं उज्ज्वल भविष्य के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा, "आज का नया भारत उन नीतियों और रणनीतियों के साथ आगे बढ़ रहा है, जिन्होंने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं।" उन्होंने कहा कि 2014 के बाद भारत ने एक सक्रिय दृष्टिकोण अपनाया है, जो पहले के समय की प्रतिक्रिया आधारित दृष्टिकोण के विपरीत है। "इसका परिणाम यह हुआ है कि 21वीं सदी का यह तीसरा दशक रोजगार और स्व-रोजगार के उन अवसरों का गवाह बन रहा है, जिनकी पहले कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। युवाओं को काम करने के ऐसे क्षेत्र मिल रहे हैं, जो दस साल पहले अस्तित्व में ही नहीं थे।" स्टार्टअप्स और भारतीय युवाओं के उत्साह का उदाहरण देते हुए, प्रधानमंत्री ने एक रिपोर्ट का उल्लेख किया जिसमें कहा गया था कि स्टार्टअप्स ने रोजगार के 40 लाख से अधिक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष अवसर सृजित किए हैं। उन्होंने रोजगार के नए अवसरों के रूप में ड्रोन और खेल क्षेत्र का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, "आत्मनिर्भर भारत अभियान की सोच और दृष्टिकोण स्वदेशी अपनाने और स्थानीय उत्पाद पर जोर ('वोकल फॉर लोकल') देने से भी आगे की बात है। आत्मनिर्भर भारत अभियान गांवों से शहरों तक रोजगार के करोड़ों अवसर पैदा करने का अभियान है। उन्होंने स्वदेशी रूप से निर्मित आधुनिक उपग्रहों और सेमी हाई स्पीड ट्रेनों का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि पिछले 8-9 वर्षों में भारत में 30000 से अधिक एलएचबी कोच का निर्माण किया गया है। इन कोचों के लिए प्रौद्योगिकी और कच्चे माल की जरूरतों ने भारत में रोजगार के हजारों अवसर सृजित किए हैं।

प्रधानमंत्री ने रोजगार सृजन के मामले में बुनियादी ढांचे में निवेश की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पूंजीगत व्यय पर जोर दिए जाने के कारण सड़क, रेलवे, बंदरगाह और भवन जैसे बुनियादी ढांचे का निर्माण हो रहा है। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की रोजगार क्षमता पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान पूंजीगत व्यय में चार गुना बढ़ोतरी हुई है।



वर्ष 2014 से पहले और बाद के घटनाक्रमों का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने भारतीय रेलवे का उल्लेख किया और यह बताया कि 2014 से पहले के सात दशकों के दौरान जहां केवल 20,000 किलोमीटर रेल लाइनों का ही



विद्युतीकरण हुआ था, वहीं पिछले 9 सालों के दौरान 40,000 किलोमीटर रेल लाइनों का विद्युतीकरण किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मेट्रो रेल लाइन बिछाने का काम 2014 से पहले 600 मीटर प्रति माह था जो आज बढ़कर 6 किलोमीटर प्रति माह हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि 2014 से पहले गैस नेटवर्क देश के 70 से कम जिलों तक ही सीमित था, लेकिन आज यह नेटवर्क 630 जिलों तक पहुंच गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों की लंबाई के बारे में बोलते हुए

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद इसमें 4 लाख किलोमीटर से 7 लाख किलोमीटर की वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा, “जब गांवों तक सड़कें पहुंचती हैं तो इससे पूरे इकोसिस्टम में तेजी से रोजगार का सृजन होता है।”

रायपुर रेल मंडल के कम्युनिटी हाल में आयोजित यह कार्यक्रम श्री प्रहलाद पटेल, माननीय राज्यमंत्री, जलशक्ति एवं खाद्य प्रसंस्करण के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर श्री सुनील कुमार सोनी, माननीय सांसद, रायपुर भी उपस्थित थे। कुल 211 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को इस समारोह में नियुक्ति पत्र प्रत्यक्ष रूप से प्रदान किये गये। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार सहित अन्य केंद्रीय विभागों व पब्लिक सेक्टर यूनिट्स के अधिकारीगण उपस्थित थे। साथ ही इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दर्शक एवं श्रोतागण भी उपस्थित थे।



भारत रत्न डॉ. भीमराव आम्बेडकर की 132वीं जयंती मनायी गयी

दिनांक 14 अप्रैल 2023 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की 132वीं जयंती पूरी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार द्वारा भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।



कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि डॉ. भीमराव आम्बेडकर आज भी दलितों महिलाओं, गरीबों एवं असहायों के मसीहा के रूप में याद किए जाते हैं। इतिहास के पन्नों में उन्हें संविधान के मुख्य शिल्पकार के रूप में याद किया जाता है। डॉ. भीमराव आम्बेडकर जीवन के हर क्षेत्र -सामाजिक, आर्थिक और राजनीति में लोकतंत्र के पक्षधर थे। वे भारत मां के यशस्वी सपूत थे। अंत में उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के जन्म दिवस के अवसर पर हम संकल्प लें कि रेल सेवा के माध्यम से हमें जो देश सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है, हम उसे पूर्ण समर्पण, सदभावना, निष्ठा व ईमानदारी से पूरा करेंगे तथा देश के विकास में अपना योगदान देंगे। अन्य वक्ताओं ने भी डॉ. भीमराव आम्बेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला एवं उनकी विचारधारा को सभी के अनुकरणीय बताया तथा उनके सपनों को पूरा करने के लिए यथासंभव प्रयास किए जाने का आह्वान किया।

उक्त गरिमामय आयोजन में कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि, अखिल भारतीय अनुसूचित जाति जनजाति रेलवे कर्मचारी एसोसिएशन के पदाधिकारी, समस्त अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

शब्द परिचय : सदर

सदर बना है अरबी के सदर से, जिसमें सुरक्षित स्थान का भाव है। हृदय के लिए सदर शब्द का उल्लेख मिलता है। इसके मायने "सामने का या आगे का" भी है।

सदर से निहित सुरक्षित और प्रमुख स्थान का भाव भारत के कई हिस्सों के साथ जुड़े शब्द सदर शब्द से समझा जा सकता है। सदर बाज़ार, सदर मंजिल, सदर चौक, सदर अस्पताल यानी मुख्य अस्पताल, सदर डाकखाना यानी बड़ा डाकखाना जैसे नाम इन क्षेत्रों का महत्त्व बताते हैं।

सदर अदालत के न्यायाधीश को सद्रे-आला कहते हैं। सद्रे-रियासत का मतलब हुआ राज्य प्रमुख। सद्रे-आजम का अर्थ हुआ प्रधानमंत्री।

महफिलों की अध्यक्षता करने की परिपाटी को सदरत कहते हैं। महफिल (सभा) का प्रमुख व्यक्ति सदर कहलाता है।

दिशाओं में पूर्व दिशा को प्रमुख माना जाता है इसीलिए सदर का एक अर्थ पूर्व दिशा भी होता है। भोर के एक तारे को अल-सदर नाम मिला हुआ है। पूर्वाभिमुख दरवाजों को सदरी दरवाजा कहते हैं।

सदर का अर्थ हुआ : मुख्य, प्रमुख, सुरक्षित।

संकलनकर्ता - हरीश चंद्र कर
लोको पायलट (गुड्स), रायपुर

हिंदी के प्रयोग के लिए वर्ष 2023-24 का वार्षिक कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्य विवरण	"क" क्षेत्र	"ख" क्षेत्र	"ग" क्षेत्र
1.	हिंदी में मूल पत्राचार (ई-मेल सहित)	1. क क्षेत्र से क क्षेत्र को 100% 2. क क्षेत्र से ख क्षेत्र को 100% 3. क क्षेत्र से ग क्षेत्र को 65% 4. क क्षेत्र से क व ख क्षेत्र 100% के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/ व्यक्ति	1 ख क्षेत्र से क क्षेत्र को 90% 2 ख क्षेत्र से ख क्षेत्र को 90% 3 ख क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% 4.ख क्षेत्र से क व ख क्षेत्र 90% के राज्य/संघ राज्यक्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति	1 ग क्षेत्र से क क्षेत्र को 55% 2 ग क्षेत्र से ख क्षेत्र को 55% 3 ग क्षेत्र से ग क्षेत्र को 55% 4. ग क्षेत्र से क व ख क्षेत्र 55% के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के कार्यालय/व्यक्ति
2.	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दिया जाना	100%	100%	100%
3.	हिंदी में टिप्पण	75%	50%	30%
4.	हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रम	70%	60%	30%
5.	हिंदी टंकण करने वाले कर्मचारी एवं आशुलिपिक की भर्ती	80%	70%	40%
6.	हिंदी में डिक्टेशन/की बोर्ड पर सीधे टंकण (स्वयं तथा सहायक द्वारा)	65%	55%	30%
7.	हिंदी प्रशिक्षण (भाषा, टंकण, आशुलिपि)	100%	100%	100%
8.	द्विभाषी प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना	100%	100%	100%
9.	जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय के कुल अनुदान में से डिजिटल सामग्री अर्थात् हिंदी ई-पुस्तक, सीडी/डीवीडी, पैनड्राइव तथा अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं से हिंदी में अनुवाद पर व्यय की गई राशि सहित हिंदी पुस्तकों की खरीद पर किया गया व्यय।	50%	50%	50%
10.	हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में काम करने की सुविधायुक्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जिनमें कंप्यूटर भी शामिल है, की खरीद	100%	100%	100%
11.	वेबसाइट द्विभाषी हो	100%	100%	100%
12.	नागरिक चार्टर तथा जन सूचना बोर्ड आदि द्विभाषी रूप में प्रदर्शित किए जाएं।	100%	100%	100%
13.	(i) मंत्रालयों/विभागों और कार्यालयों के अधिकारियों (उ.स./निदे./सं.स.) तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा अपने मुख्यालय से बाहर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण (कार्यालयों का प्रतिशत)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)

(ii) मुख्यालय में स्थित अनुभागों का निरीक्षण	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)	25% (न्यूनतम)
(iii) विदेश में स्थित केंद्र सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण के अधीन कार्यालयों/उपक्रमों का संबंधित अधिकारियों तथा राजभाषा विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण		वर्ष में कम से कम एक निरीक्षण	
14. राजभाषा संबंधी बैठकें			
(क) हिंदी सलाहकार समिति		वर्ष में 2 बैठकें	
(ख) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति		वर्ष में 2 बैठकें (प्रति छमाही एक बैठक)	
(ग) राजभाषा कार्यान्वयन समिति		वर्ष में 4 बैठकें (प्रति तिमाही एक बैठक)	
15. कोड, मैनुअल, फॉर्म, प्रक्रिया	100%	100%	100%
साहित्य का हिंदी अनुवाद			
16. मंत्रालयों/विभागों/कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों के ऐसे अनुभाग जहां संपूर्ण कार्य हिंदी में हों।	40%	30%	20%

(न्यूनतम अनुभाग)

सार्वजनिक क्षेत्र के उन उपक्रमों/निगमों आदि, जहां अनुभाग जैसी कोई अवधारणा नहीं है, "क" क्षेत्र में कुल कार्य का 40%, "ख" क्षेत्र में 25% और "ग" क्षेत्र में 15% कार्य हिंदी में किया जाए।

“ आगाज ”

रायपुर मंडल पर समय-समय पर विविध सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में दिनांक 09.04.2023 को रेल अधिकारी क्लब 'उल्लास', डब्ल्यू. आर. एस. कॉलोनी, रायपुर में मंडल के रेल कर्मियों एवं उनके परिवार के सदस्यों की प्रतिभाओं को सामने लाने के उद्देश्य से प्रतिभा खोज सह सांस्कृतिक प्रतियोगिता “ आगाज ” का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में थीम आधारित एकल अभिनय, थीम आधारित एकल गायन, थीम आधारित नुक्कड़ नाटक एवं थीम आधारित समूह गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री उदय कुमार भारती वरि. मंडल कार्मिक अधिकारी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री संजय त्यागी मुख्य कारखाना प्रबंधक, वैगन रिपेयर शॉप उपस्थित थे। विजेताओं को ट्रॉफी तथा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।



~ मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की 60वीं बैठक आयोजित ~

दिनांक 20.03.2023 को 16.00 बजे मंडल रेल प्रबंधक सभाकक्ष में मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की 60वीं बैठक आयोजित की गई। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी मानक कार्यसूची के अनुसार इस बैठक में अक्टूबर-दिसंबर 2022 तिमाही के दौरान मंडल में हुई राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई।

सर्वप्रथम अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री लोकेश विश्नोई ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि चूंकि हमारा मंडल 'क' क्षेत्र में

स्थित है, अतः हमारी जिम्मेदारी ज्यादा है और इसलिए हमें राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के प्रति निरंतर सजग एवं प्रयत्नशील रहना है। आपसी सहयोग एवं तालमेल से राजभाषा का प्रयोग-प्रसार बढ़ाना है।



मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि हमारे मंडल में पूर्व की अपेक्षा राजभाषा कार्यों में काफी वृद्धि हुई है परंतु अभी भी अनेक कार्य किए जाने हैं ताकि संसदीय राजभाषा समिति से प्रदत्त अनुदेशों एवं गृह मंत्रालय द्वारा विभिन्न मदों के अनुपालन हेतु जारी वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों के अनुसार राजभाषा हिंदी का अनुपालन सुनिश्चित हो सके। विभागीय पदोन्नति परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम के अनुसार हिंदी-अंग्रेजी द्विभाषी प्रश्न बैंक तैयार कर वेबसाइट पर अपलोड किया जाए। मंडल में धारा 3(3) का शत-प्रतिशत अनुपालन अनिवार्यतः जारी

रखें। आज अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी कार्य करने की सारी तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध हैं, इनका उपयोग किया जाए। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को निदेशित करते हुए कहा कि अपने नियमिति निरीक्षण के दौरान राजभाषा से संबंधित कम से कम एक मद का निरीक्षण अवश्य करें और इसे अपनी निरीक्षण रिपोर्ट में शामिल करें।

बैठक में मंडल के विभिन्न शाखा अधिकारी एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक का संचालन राजभाषा अधिकारी श्री निकेश कुमार पाण्डेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त की गई।

अनमोल वचन

- मेरे संकल्प के विरुद्ध बोलना उसे और अधिक दृढ़ कर देना है। ~ महादेवी वर्मा
- बोलने की मर्यादा मत छोड़ना, गालियाँ देना कायरों का काम है। ~ सरदार वल्लभभाई पटेल
- ताकत शारीरिक शक्ति से नहीं बल्कि यह अदम्य इच्छाशक्ति से आती है। ~ महात्मा गांधी
- प्रतिभाएं कभी-कभी निन्दा से नहीं, अतिशय प्रशंसा से बुझ जाया करती हैं। ~ नामवर सिंह
- ज़ोर जबरदस्ती से जंगल के शेर को वश में किया जा सकता है परन्तु जबरदस्ती एक छोटा-सा फूल भी विकसित नहीं किया जा सकता। ~ शरतचन्द्र चट्टोपाध्याय
- मनुष्य के भीतर नाखून बढ़ा लेने की जो सहजात वृत्ति है, वह उसके पशुत्व का प्रमाण है। उनके काटने की जो प्रवृत्ति है वह उसकी मनुष्यता की निशानी है। ~ हजारी प्रसाद द्विवेदी

" बेटर ऑप्शन "

व्यवसायिक कार्य से लगभग हर रोज दिल्ली जाना होता है। वापसी पर मुरथल के एक ढाबे पर रात्रिभोज हेतु रुकता हूँ। खाने का मेन्यू सेट है। हाफ दाल, 3 रोटी, 1 प्लेट सलाद, 2 कटोरी सफेद मक्खन, ...और आखिर में खीर। लगभग हर रोज एक व्यक्ति मेरी टेबल पर आता है। मैं उसे वही मेन्यू बताता हूँ।

.....बीते कुछ दिनों से वह मुझसे पूछने की जहमत भी नहीं करता।

मैं बैठता हूँ सलाद परोस देता है और फिर एक एक कर बाकी सामग्री ले आता है। कल रात मैं ढाबे पर आ कर बैठा। चिरपरिचित बंधु जो हर रोज ऑर्डर लेता था वह कहीं दिखाई नहीं दिया। मेरी नजरें उसे तलाश रही थी। इतने में एक नौजवान लड़का टेबल पर आया और बोला " भोला भईया नहीं आए हैं सर। उनकी तबियत खराब है।"

मुझे नहीं पता था कि जिस व्यक्ति को मैं रोज खाने का ऑर्डर देता हूँ उसका नाम "भोला" है। "आपका क्या नाम है ? " मैंने सामने खड़े नवयुवक से पूछा। "हमारा नाम आकास है।" उसने फट से जवाब दिया।

मुरथल के ढाबों पर अधिकतर कर्मचारी बिहारी हैं। नवयुवक का आका"श" को आका"स" कहना मुझे खला नहीं। लड़का टिप टॉप था। सधी हुई कद काठी। तेल से चुपड़े कंधी किए हुए बाल। सबसे बड़ी बात उसके जूते चमक रहे थे। लग रहा था कि पालिश किए गए हैं।

मैंने अपना मेन्यू बताने की शुरुआत की ही थी कि उसने मेरी बात काटते हुए कहा.....पता है सर। हरा सलाद.... दाल मक्खन रोटी....खीर। मैंने उसकी ओर देखा.....मुस्कुराया और कहा....." पता है तो ले आईए। भूख के मारे जान निकल रही है।" वह किचन की ओर चला गया।

कुछ ही समय बाद वापिस आया। बोला" सर। डोंट माइंड। एक बेटर ऑप्शन है।" मैं एक क्षण अवाक रह गया।

डोंट माइंड बेटर ऑप्शन.....मेरे समाने ढाबे का एक वेटर खड़ा था या किसी मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट से एम बी ए मैनेजर खड़ा था। शकल देख कर तो लग न रहा था कि उसे अंग्रेजी का ए भी आता होगा।

मैं हतप्रभ था। " क्या बेटर ऑप्शन है सर।" मैंने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा।

लड़के ने मेन्यू कार्ड उठाया। बोला" आप वेज थाली लीजिए सर। इसमें दाल है। दो सब्जी है। पुलाव है। सलाद है अउर मीठा में खीर भी है और सर ये थाली आपको आपका मेन्यू के मुकाबले बीस परसेंट सस्ता पड़ेगा।" लड़का एक सांस में कह गया। पहले"डोंट माइंड बेटर ऑप्शन ".....यानी अंग्रेजी और फिर "20 परसेंट" यानी मैथेमेटिक्स।

अबे कौन है ये लड़का। ध्यान से देखा तो वाकई बिल में बीस परसेंट का अंतर भी था। उम्र के 42 बसंत देख चुका हूँ। खत पढ़ लेता हूँ मजमू लिफाफा खोले बिना। "क्या करते हो?" मैंने प्रश्नवाचक निगाहों से उससे पूछा। "यहीं काम करते हैं।" उसने जवाब दिया। "इसके अलावा क्या करते हो?" मैंने पूछा। " यूपीएससी का तैयारी कर रहे हैं सर। दिन में दिल्ली रहते हैं। ढाबा पर नाइट ड्यूटी रहता है।" आत्मविश्वास भरी आवाज़ में उसने जवाब दिया। " बेटर ऑप्शन ले आओ।" मैंने मुस्कुराते हुए कहा। खाना खाया। बिल टेबल पर था और आकाश.....नहीं नहीं आका"स" समाने खड़ा था।

एक लम्बे अर्से बाद मैंने किसी वेटर को टिप नहीं दी। वह टिप देने लायक व्यक्ति नहीं था। मेरे पास पार्कर का एक पेन था। मैंने उसकी शर्ट की जेब में उस पेन को लगा दिया। उसकी आंखों की चमक देखने लायक थी।

एक वर्ग है.....जो बेशक घोर गरीबी में जी रहा है। दाने दाने का मोहताज है। रोज कुआं खोद रोज पानी पी रहा है.....लेकिन फिर भी अपने लिए बेटर ऑप्शन खोज रहा है। बेहतर विकल्प खोज रहा है। यह वर्ग दिन में किताबों में मुंह दिए सपनों की लड़ाई लड़ रहा है और रात में ढाबे पर खाना परोसता सर्वाइवल की लड़ाई लड़ रहा है। और जीतता भी यही वर्ग है क्योंकि इसके पास हारने को कुछ भी नहीं है। मैं कल रात भविष्य के एक प्रशासनिक अधिकारी को पेन भेंट कर आया हूँ। परिस्थिति जितनी भी विकट हो संघर्ष जारी रखना ही "बेटर ऑप्शन" है।

संकलनकर्ता - लोकेश विशनोई

अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर

मार्च माह के साहित्यकार - महादेवी वर्मा

जन्म : 26 मार्च 1907

निधन : 11 सितंबर 1987

जन्म स्थान : फर्रुखाबाद, उत्तर प्रदेश

उपनाम : आधुनिक मीरा

प्रमुख कृतियाँ : नीहार, नीरजा, रश्मि, सान्ध्यगीत, दीपिशखा, यामा, सप्तपर्णा, प्रथम आयाम, अग्निरेखा, अतीत के चलचित्र, स्मृति की रेखाएं, पथ के साथी, मेरा परिवार, संस्मरण आदि ।

विविध : 'पद्मविभूषण, 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' (1983)



कौन तुम मेरे हृदय में?

कौन मेरी कसक में नित

मधुरता भरता अलक्षित?

कौन प्यासे लोचनों में

घुमड़ घिर झरता अपरिचित?

स्वर्ण-स्वप्नों का चितेरा

नींद के सूने निलय में!

कौन तुम मेरे हृदय में?

अनुसरण निःश्वास मेरे

कर रहे किसका निरंतर?

चूमने पदचिह्न किसके

लौटते यह श्वास फिर-फिर?

कौन बंदी कर मुझे अब

बँध गया अपनी विजय में?

कौन तुम मेरे हृदय में?

एक करुण अभाव में चिर—

तृप्ति का संसार संचित;

एक लघु क्षण दे रहा

निर्वाण के वरदान शत-शत;

पा लिया मैंने किसे इस

वेदना के मधुर क्रय में?

कौन तुम मेरे हृदय में?

गूँजता उर में न जाने

दूर के संगीत-सा क्या?

आज खो निज को मुझे

खोया मिला, विपरीत-सा क्या?

क्या नहा आई विरह-निशि

मिलन-मधु-दिन के उदय में?

कौन तुम मेरे हृदय में?

तिमिर-पारावार में

आलोक-प्रतिमा है अकंपित;

आज ज्वाला से बरसता

क्यों मधुर घनसार सुरभित?

सुन रही हूँ एक ही

झंकार जीवन में प्रलय में?

कौन तुम मेरे हृदय में?

मूक सुख-दुख कर रहे

मेरा नया शृंगार-सा क्या?

झूम गर्वित स्वर्ग देता—

नत धरा को प्यार-सा क्या?

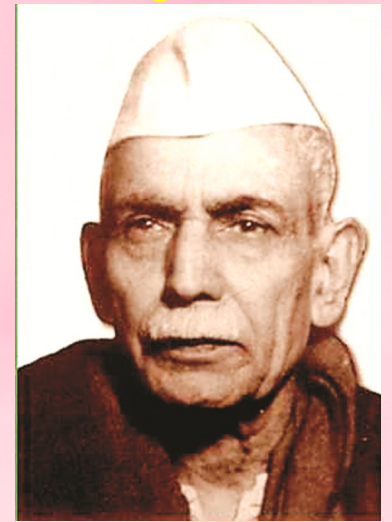
आज पुलकित सृष्टि क्या

करने चली अभिसार लय में?

कौन तुम मेरे हृदय में?

अप्रैल माह के साहित्यकार - माखन लाल चतुर्वेदी

जन्म	: 04 अप्रैल 1889
निधन	: 30 जनवरी 1968
जन्म स्थान	: बाबई, होशंगाबाद (मध्यप्रदेश)
उपनाम	: एक भारतीय आत्मा
प्रमुख कृतियाँ	: ' कृष्णार्जुन युद्ध ', ' हिमकिरीटिनी ', ' साहित्य देवता ', ' हिमतरंगिनी ', ' माता ', ' युगचरण ', ' समर्पण ', ' वेणु लो गूँजे धरा ', ' अमीर इरादे ', ' गरीब इरादे ' आदि ।
विविध	: साहित्य अकादमी पुरस्कार (1949)



संध्या के बस दो बोल सुहाने लगते हैं

सन्ध्या के बस दो बोल सुहाने लगते हैं
 सूरज की सौ-सौ बात नहीं भाती मुझको
 ल-बोल में बोल उठी मन की चिड़िया
 नभ के ऊँचे पर उड़ जाना है भला-भला!
 पंखों की सर-सर कि पवन की सन-सन पर
 चढ़ता हो या सूरज होवे ढला-ढला !
 यह उड़ान, इस बैरिन की मनमानी पर
 मैं निहाल, गति रुद्ध नहीं भाती मुझको॥
 सन्ध्या के बस दो बोल सुहाने लगते हैं
 सूरज की सौ-सौ बात नहीं भाती मुझको॥
 सूरज का संदेश उषा से सुन-सुनकर
 गुन-गुनकर, घोंसले सजीव हुए सत्वर
 छोटे-मोटे, सब पंख प्रयाण-प्रवीण हुए
 अपने बूते आ गये गगन में उतर-उतर
 ये कलरव कोमल कण्ठ सुहाने लगते हैं
 वेदों की झंझावात नहीं भाती मुझको॥
 सन्ध्या के बस दो बोल सुहाने लगते हैं॥
 सूरज की सौ-सौ बात नहीं भाती मुझको॥

जीवन के अरमानों के काफिले कहीं, ज्यों
 आँखों के आँगन से जी घर पहुँच गये
 बरसों से दबे पुराने, उठ जी उठे उधर
 सब लगने लगे कि हैं सब ये बस नये-नये।
 जूएँ की हारों से ये मीठे लगते हैं
 प्राणों की सौ सौगात नहीं भाती मुझको॥
 सन्ध्या के बस दो बोल सुहाने लगते हैं॥
 सूरज की सौ-सौ बात नहीं भाती मुझको॥
 ऊषा-सन्ध्या दोनों में लाली होती है
 बकवासनि प्रिय किसकी घरवाली होती है
 तारे ओढ़े जब रात सुहानी आती है
 योगी की निस्पृह अटल कहानी आती है।
 नीड़ों को लौटे ही भाते हैं मुझे बहुत
 नीड़ों की दुश्मन घात नहीं भाती मुझको॥
 सन्ध्या के बस दो बोल सुहाने लगते हैं
 सूरज की सौ-सौ बात नहीं भाती मुझको॥

- माखन लाल चतुर्वेदी

पाठकों की प्रतिक्रियाएं सादर आमंत्रित हैं । कृपया अपने सुझाव व्हाट्सएप्प नंबर 9752877615 अथवा ई-मेल rbarsecr2006@gmail.com पर प्रेषित करें ताकि हम इसे और बेहतर बना सकें । यह ई-पत्रिका द.पू.म.रेलवे की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है ।

मंडल की गतिविधियां संबंधी विवरण एवं फोटोग्राफ्स जनसंपर्क अनुभाग, रायपुर से साभार ।